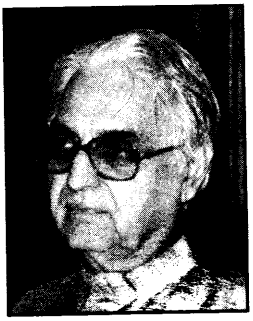

प्रभाकर श्रोत्रिय

निदेशक

भारतीय ज्ञानपीठ

18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया,

पोस्ट बॉक्स नं. 3118,

लोदी रोड, नयी दिल्ली-110 002

दिनांक : 10 अप्रैल, 2006

मान्यवर योगेन्द्र मोहन जी,

आपका पत्र और लक्ष्मी देवी ललित कला अकादमी की स्मारिका प्राप्त कर प्रसन्नता हुई। लक्ष्मी देवी ललित कला अकादमी लगन और सूझ बूझ के साथ कलाओं क्षेत्र में काम कर रहीं है विशेषकर संगीत और नृत्य के क्षेत्र में। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि 15-16 अप्रैल को अकादमी का वार्षिकोत्सव सम्पन्न होने जा रहा है यह पूरी तरह से सफल हो यही कामना है।

अकादमी नयी प्रतिभाओं को प्रशिक्षित और प्रोत्साहित कर रही है यह अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य है। मेरा सुझाव है कि आयोजनों में यदि बाहर से भी नयी प्रतिभाओं को आमंत्रित कर उनका प्रदर्शन हो सके तो इस क्षेत्र में जो नये प्रयोग हो रहे हैं उनका प्रदर्शन तो होगा ही दर्शकों और श्रोताओं को भी बहुत कुछ अभिनव देखने सुनने को मिलेगा। मुझे विश्वास है कि नयी प्रतिभाओं के माध्यम से अकादमी का नाम देश के भावी कलाकारों के बीच भी लोकप्रिय होगा। पुनः मंगल कामनाओं के साथ,

आपका,

(प्रभाकर श्रोत्रिय)